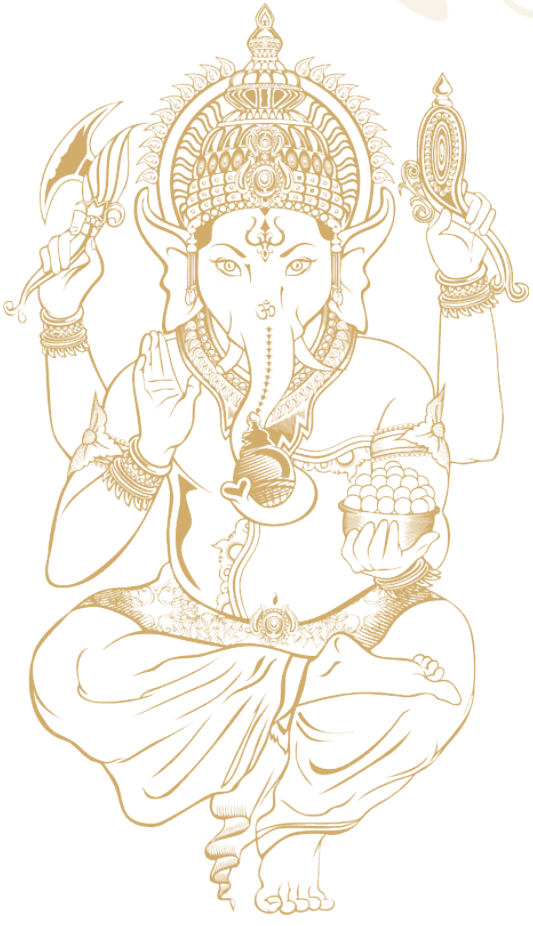

Vishakha

11 Jun 2004

04:50 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121151505

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10-11/06/2004**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**04:50:00 घंटे**
इष्ट	59:34:20 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:00:00 घंटे
वेलान्तर	00:00:33 घंटे
साम्पातिक काल	22:18:35 घंटे
सूर्योदय	05:00:15 घंटे
सूर्यास्त	18:38:47 घंटे
दिनमान	13:38:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	26:28:02 वृष
लग्न के अंश	23:03:19 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	आयुष्मान
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	झ-झूलेलाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	23:03:19	351:36:23	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	---
सूर्य			वृष	26:28:02	00:57:21	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	10:04:58	12:43:08	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
मंगल			मिथु	27:57:27	00:37:49	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	वृष	16:55:06	02:04:56	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			सिंह	16:57:38	00:06:07	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र	व	अ	वृष	22:20:47	00:36:49	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
शनि			मिथु	19:22:37	00:07:23	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	मित्र राशि
राहु			मेष	16:41:35	00:01:14	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			तुला	16:41:35	00:01:14	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	12:52:48	00:00:01	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप	व		मक	21:19:12	00:00:45	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	27:00:12	00:01:36	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			कुंभ	08:45:55	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:58

लग्न-चलित

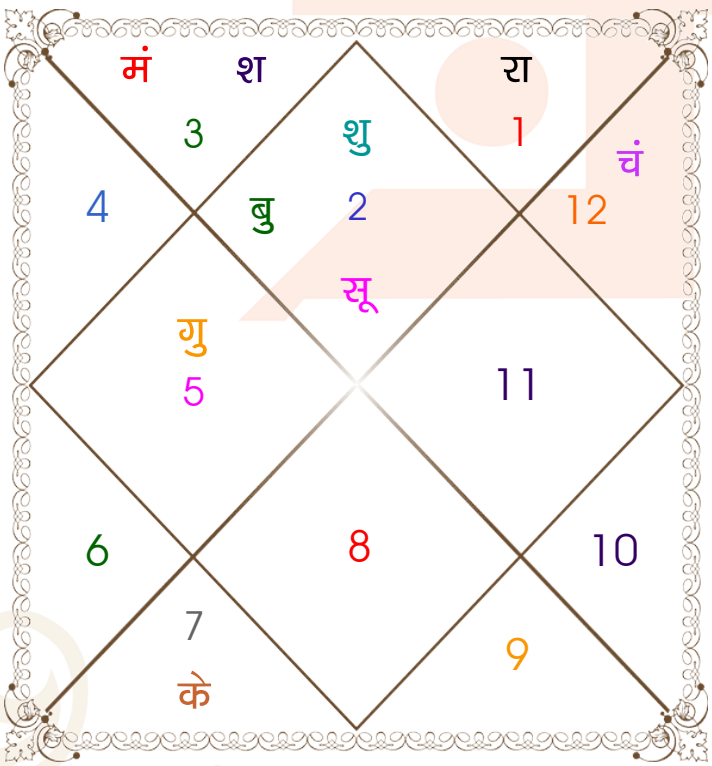

चन्द्र कुंडली

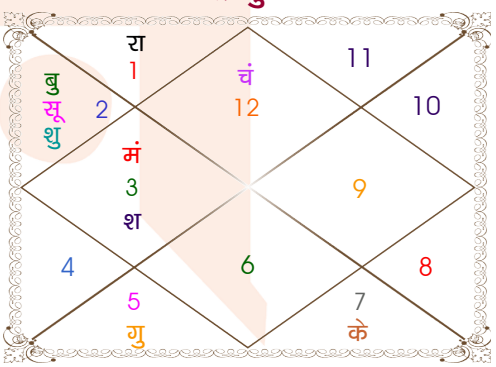

नवमांश कुंडली

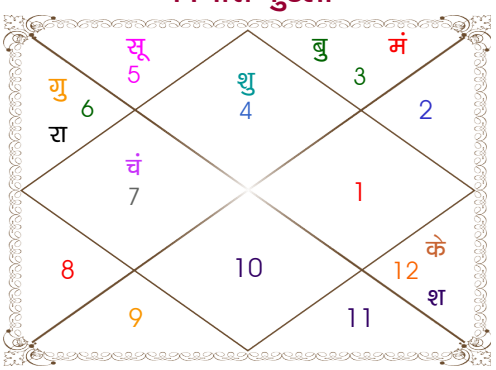

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 9 वर्ष 4 मास 17 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/06/2004		29/10/2013		29/10/2030		29/10/2037		29/10/2057	
29/10/2013		29/10/2030		29/10/2037		29/10/2057		29/10/2063	
	00/00/0000	बुध	26/03/2016	केतु	27/03/2031	शुक्र	27/02/2041	सूर्य	15/02/2058
	00/00/0000	केतु	23/03/2017	शुक्र	26/05/2032	सूर्य	27/02/2042	चंद्र	17/08/2058
	11/06/2004	शुक्र	22/01/2020	सूर्य	01/10/2032	चंद्र	29/10/2043	मंगल	23/12/2058
शुक्र	19/10/2004	सूर्य	28/11/2020	चंद्र	02/05/2033	मंगल	28/12/2044	राहु	16/11/2059
सूर्य	01/10/2005	चंद्र	29/04/2022	मंगल	28/09/2033	राहु	29/12/2047	गुरु	03/09/2060
चंद्र	02/05/2007	मंगल	26/04/2023	राहु	17/10/2034	गुरु	29/08/2050	शनि	16/08/2061
मंगल	10/06/2008	राहु	13/11/2025	गुरु	23/09/2035	शनि	29/10/2053	बुध	23/06/2062
राहु	17/04/2011	गुरु	19/02/2028	शनि	31/10/2036	बुध	28/08/2056	केतु	29/10/2062
गुरु	29/10/2013	शनि	29/10/2030	बुध	29/10/2037	केतु	29/10/2057	शुक्र	29/10/2063

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
29/10/2063		29/10/2073		28/10/2080		29/10/2098		30/10/2114	
29/10/2073		28/10/2080		29/10/2098		30/10/2114		00/00/0000	
चंद्र	28/08/2064	मंगल	27/03/2074	राहु	11/07/2083	गुरु	17/12/2100	शनि	02/11/2117
मंगल	29/03/2065	राहु	14/04/2075	गुरु	04/12/2085	शनि	30/06/2103	बुध	12/07/2120
राहु	28/09/2066	गुरु	20/03/2076	शनि	10/10/2088	बुध	05/10/2105	केतु	21/08/2121
गुरु	28/01/2068	शनि	29/04/2077	बुध	29/04/2091	केतु	11/09/2106	शुक्र	12/06/2124
शनि	29/08/2069	बुध	26/04/2078	केतु	17/05/2092	शुक्र	12/05/2109		00/00/0000
बुध	28/01/2071	केतु	22/09/2078	शुक्र	18/05/2095	सूर्य	28/02/2110		00/00/0000
केतु	29/08/2071	शुक्र	22/11/2079	सूर्य	10/04/2096	चंद्र	30/06/2111		00/00/0000
शुक्र	29/04/2073	सूर्य	29/03/2080	चंद्र	10/10/2097	मंगल	05/06/2112		00/00/0000
सूर्य	29/10/2073	चंद्र	28/10/2080	मंगल	29/10/2098	राहु	30/10/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 9 वर्ष 5 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगे।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ते रहेंगे। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगे, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगे। आप कभी भी छलांग नही लगाते। आप समय की प्रतिक्षा करते हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करते हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करते हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेते हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करते हैं। परिणाम रुवरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगे। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगे।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगे। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकते हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकते हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाते हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद के गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगे।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगे।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगे।

आप अपने परिवार को अच्छि प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था करेंगे।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाले हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकते हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकते हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।